जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:168 दिनांक:21-10-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

हॉन्गकॉन्ग में आयोजित एशिया स्तर की 10000 मीटर दौड़ में हिमाचल प्रदेश के चम्बा की उड़नपरी व गोल्डन गर्ल नाम से विख्यात सीमा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी स्पोर्ट्स स्टेडियम का उद्घाटन करने के बाद सपा और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा।

सोफी डिवाइन ने न्यूजीलैंड को पहली बार बनाया चैंपियन, लगातार दूसरी बार फाइनल में हारी द. अफ्रीका

दुबई : महिला टी20 विश्व कप का नौवां संस्करण न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के साथ समाप्त हो गया। रविवार को सोफी डिवाइन की टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल मैच में 32 रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यह पहला मौका है जब टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीता है।

लगातार दूसरी बार खिताब से चूकी द. अफ्रीका की टीम

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकबले में द. अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। कीवियों ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में अफ्रीकी टीम नौ विकेट पर 126 रन ही बना सकी। इस तरह न्यूजीलैंड ने अपना पहला खिताब जीत लिया। वहीं, लौरा वोलवार्ड्ट के नेतृत्व वाली टीम को लगातार दूसरी बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पिछली बार अपने घरेलू मैदानों में हुए टी 20 विश्व कप के फाइनल में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 19 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

लौरा और तजमीन ने दिलाई शानदार शुरुआत

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत शानदार हुई। लौरा वोलवार्ड्ट और तजमीन ब्रिट्स के बीच पहले विकेट के लिए 51 रनों की शानदार साझेदारी हुई। यह तीसरा मौका है जब इस टूर्नामेंट के दौरान दोनों बल्लेबाजों के बीच 50 से अधिक रनों की साझेदारी हुई। वहीं, महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में दोनों के बीच छठी बार 50+ रनों की साझेदारी हुई। टीम को पहला झटका तजमीन के रूप में पहला झटका लगा जो 17 रन बनाकर लौटीं। वहीं, कप्तान लौरा 33 रन बनाकर आउट हुईं।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा द. अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम

इसके बाद द. अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। इस मुकाबले में लौरा और तजमीन के बाद सिर्फ दो बल्लेबाज दहाई के स्कोर को छू सके। कीवियों के खिलाफ एनेके बॉश ने नौ, मारिजैन कप ने आठ, नादिन डी क्लर्क ने छह, क्लो ट्रायन ने 14, सुने लूस ने आठ, एनेरी डर्कसन ने 10, सिनालो जाफ्ता ने छह, म्लाबा और खाका ने चार-चार रन बनाए। कीवियों के लिए रोजमेरी मेयर और अमेलिया केर ने तीन-तीन विकेट चटकाए जबकि कार्सन, जोनस और हालीडे को एक-एक सफलता मिली।

श्रीलंका ने गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। श्रीलंका ने मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट में कहा कि 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया गया है और वे तमिलनाडु, भारत के लिए रवाना हो गए हैं।

मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंका नौसेना की आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल देश की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जबकि 55 नौकाएं जब्त की गई हैं।

फुटबॉल मैच के बाद गोलीबारी, तीन की मौत, आठ घायल

मिसिसिपी,(ईएमएस)। मध्य मिसिसिपी में दो लोगों ने सैकड़ों लोगों के एक समूह पर गोलीबारी कर दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये लोग खेल समाप्त होने के कई घंटे बाद स्कूल की घरेलू फुटबॉल जीत का जश्न मना रहे थे। गोलीबारी की घटना समारोह में मौजूद कुछ लोगों के बीच झगड़े के बाद हुई।

रिपार्ट में बताया गया है कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि झगड़े की शुरुआत कैसे हुई। करीब 200 से 300 लोग जश्न मना रहे थे और गोलीबारी की आवाज सुनकर भागने लगे। दो मृतकों की उम्र 19 साल बताई गई है और तीसरे की उम्र 25 साल थी। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

आज भी बम की धमकियां- 20 से ज्यादा फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग

-एक हफ्ते में 90 धमकियां और सभी झूठी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में यात्री विमानों को मिल रहीं बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार के बाद रविवार को भी 20 से अधिक फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसमें इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की कुल छह-छह विमान शामिल हैं।

यहां बताते चलें कि पिछले एक हफ्ते में 90 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, हालांकि ये सभी धमकियां झूठी साबित हुईं। इससे पहले 19 अक्टूबर शनिवार को 30 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिससे सैकड़ों यात्री घंटों तक परेशान होते रहे। इन धमकियों के कारण एयरलाइंस को अब तक 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

गृह मंत्रालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए एयरलाइंस की स्थिति पर सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही केंद्र ने सीआइएसएफ, एनआईए, और आईबी को भी जांच के आदेश दे दिए हैं।

13 राज्यों में वित्तीय घाटा कम होने की संभावना

21 राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एनएसई की रिपोर्ट:

घाटा कम करने की दिशा में सकारात्मक कदम और चिंताजनक आंकड़े

मुंबई,(ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ स्टेट्स रिपोर्ट में भारत के 21 राज्यों की वित्तीय स्थिति का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 13 राज्यों में वित्तीय घाटा कम होने की संभावना है, जबकि 8 राज्यों में यह बढ़ सकता है, जिससे राज्यों की वित्तीय सेहत और खर्च की नीतियों पर चिंता बढ़ गई है।

पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों ने अपने वित्तीय घाटे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वहीं, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्य इस वर्ष अपने घाटे को बढ़ा सकते हैं। मध्य प्रदेश में वित्तीय घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 4.1फीसदी तक पहुंच चुका है, जो गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि हिमाचल प्रदेश में वित्तीय घाटा 1प्रतिशत से अधिक घटने का अनुमान है।

यूपी का कर्ज जीडीपी सबसे अधिक

एनएसई के अध्ययन से पता चला है कि 15 बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश का कर्ज जीडीपी के 47.6फीसदी के बराबर है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद तमिलनाडु (44.3फीसदी), कर्नाटक (44.2फीसदी) और पंजाब (42.1फीसदी) का कर्ज भी 40फीसदी से ऊपर है। तेलंगाना में कर्ज जीडीपी का सिर्फ 13.9फीसदी है, जो सबसे कम है। बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल और झारखंड ने अपने घाटे में कमी लाने के लिए कई सुधारात्मक उपाय किए हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश ने सुधार के बावजूद अपने घाटे को बढ़ाया है, जिससे केंद्रीय सरकार के लिए वित्तीय संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मुफ्त योजनाओं की आलोचना

रिपोर्ट में राज्यों द्वारा अपनाई गई मुफ्त योजनाओं और ओल्ड पेंशन स्कीम की आलोचना की गई है, जो वित्तीय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। खासकर पंजाब और हिमाचल प्रदेश में इन योजनाओं के कारण वित्तीय घाटा बढ़ने का खतरा है।

केंद्र सरकार का वित्तीय लक्ष्य:

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में 5.1फीसदी वित्तीय घाटे का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्यों का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा, और उन्हें स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत के राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर चिंताएँ हैं, और भविष्य में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

देश के विकास में बाधक हैं सपा-कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियां: मोदी

वाराणसी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी स्पोर्ट्स स्टेडियम का उद्घाटन करने के बाद सपा और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने देश के विकास को आगे ही नहीं बढ़ने दिया। आज भी विकास कार्यों में रोढ़ा डालने का काम कर रहे हैं। भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है। अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया। महिलाओं को विधान और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया। कहा कि भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया। तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं। अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं। भाजपा सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा। युवाओं से आह्वान किया कि इसके लिए वे आगे आएं और देश की तरक्की का हिस्सा बनें। खिलाड़ियों को सम्मान देने का काम भाजपा ने ही किया है। उन्होंने कहा कि देश में भाषाओं का भी विकास किया जा रहा है। पाली भाषा का विकास किया जा रहा है। मैं विकास की इन सभी योजनाओं के लिए देश के सभी नागरिकों के साथ काशीवासियों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल देश के एक दर्जन एयरपोर्ट के सुधार भी किए जा रहे हैं। अयोध्या में एक भव्य इंटरनेशल एयरपोर्ट राम भक्तों का स्वागत कर रहा है। एक समय था यूपी की सड़कें खस्ताहाली के लिए जानी जाती थी। 2014 के बाद यूपी की सड़कें बन रही हैं। सड़कें चमचमा रही हैं। काशी नगरी के विकास और विरासत को लेकर काम किया जा रहा है। यहां गलियों से लेकर सुंदर घाट लोगों का मन मोह रहे हैं।

काशी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए सात एयरपोर्ट से जुड़े 6100 करोड़ रुपये के अलग-अलग परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यूपी के सहारानपुर, मध्य प्रदेश के रीवा, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहाकि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है। देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे। आज बनारस आने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यहां पर्यटकों और व्यापारियों के आने की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में एम्स, मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के साथ छोटे शहरों में अस्पताल खोले गए हैं। मेडिकल कॉलेज में नई सीट भी जोड़ी गई है। आने वाले सालों में 75,000 नई मेडिकल की सीट जुड़ेंगे। लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा रही है। ई-संजीवनी में 30 करोड़ लोग ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। ड्रोण टेक्नोलॉजी से भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं। बिहार में भी एक शंकरा आई हॉस्पिटल खोलना चाहिए इससे यहां के रहने वाले लोगों को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीमारी गरीब को और गरीब बनाती है। 10 साल में 25 करोड़ लोग बीमारी से बाहर निकले। बीमारी हो ही नहीं, इसके लिए सरकार जोर दे रही है। सरकार योग, साफ-सफाई पोषण, खान-पान पर विशेष ध्यान दे रही है। टीकाकरण को भी ज्यादा से ज्यादा घरों तक ले जाया जा रहा है। 10 साल पहले देश में टीकाकरण का ग्राफ 60 फीसदी तक की थी। बहुत से बच्चे टीकाकरण के दायरे में नहीं थे। उन्होंने कहा कि हर साल टीकाकरण का ग्राफ एक प्रतिशत बढ़ रहा था, अगर ऐसा ही रहता तो बच्चों को टीकाकरण के दायरे में लाने में 40 से 50 साल लग जाते। यह देश की नई पीढ़ी के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा था। अब सरकार की ओर से बच्चों का टीकाकरण का कवरेज बढ़ाया दिया गया है। मिशन इंद्रधनुष अभियान चलाया गया। इसमें एक साथ कई मंत्रालयों को भी लगाया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमारी से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि समय से बीमारी का पता चल जाए। इसके लिए क्रिटिकल केयर ब्लॉक और आधुनिक लैब भी बनाए जा रहे हैं। इससे लाखों लोगों की जान बच रही है।सस्ता इलाज और सस्ती दवा भी लोगों को मिल रही है। देश में लोगों की बीमारी पर खर्च होने वाले रुपये का 25 फीसदी औसत खर्च कम हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि कैंसर की दवाओं के साथ ही स्टंट, इंप्लांट का दाम भी कम कर दिया गया। गरीबों को मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना संजीवनी साबित हो रही है। मुफ्त इलाज का लाभ 7.50 करोड़ लोग लाभ ले चुके हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: भाजपा ने 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की, फडणवीस और बावनकुले प्रमुख उम्मीदवार

मुंबई,(ईएमएस)। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इस सूची में 6 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 4 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित सीटों के नाम भी शामिल हैं। इसके साथ ही, 13 महिलाओं को भी टिकट दिया गया है, जबकि 11 नए चेहरे पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा की रविवार को आई 99 प्रत्याशियों की सूची में मुख्य उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे। इनके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी सीट से चुनाव मैदान में होंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण भोकर से चुनाव लड़ेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कोलाबा से टिकट मिला है, जबकि नितेश राणे कंकावली से चुनाव लड़ेंगे।

यहां बताते चलें कि नार्वेकर हाल ही में शिवसेना और एनसीपी विधायकों की सदस्यता समाप्त नहीं करने को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। वहीं, नितेश राणे मुस्लिम विरोधी बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं।

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, और इसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी दिन नांदेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा, जिसके प्रत्याशी की घोषणा अभी नहीं की गई है।

ब्रिक्स सम्मेलन 22 और 23 अक्टूबर को कजान में

रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत निभा रहा अहम भूमिका

-दोनों देशों ने युद्धबंदियों को छोड़ा, ब्रिक्स सम्मेलन में हो सकती है प्रक्रिया तेज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध के ढाई साल बाद अब इसके थमने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और आर्थिक समस्याओं को जन्म दिया है, लेकिन हाल के महीनों में युद्ध के समापन की दिशा में कुछ अहम कदम उठाए गए हैं। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की सक्रिय भूमिका के कारण इस प्रक्रिया में युद्ध थमने के आसार नजर आ रहे हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं और युद्ध खत्म करने का प्रयास भी किया है। पीएम मोदी के बतौर दूत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। पीएम मोदी के अगले सप्ताह कजान में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में उनकी भागीदारी इस प्रक्रिया में और तेज ला सकती है।

रूस और यूक्रेन ने हाल ही में युद्धबंदियों की रिहाई पर समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के बीच बातचीत के संकेत मिलते हैं। दोनों देशों ने 90-90 युद्धबंदियों को रिहा किया, जिससे लोगों में उम्मीद है कि युद्ध जल्द खत्म जाएगा। इसके अलावा, रूस ने यह भी कहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए सऊदी अरब एक उपयुक्त स्थान है और बैक डोर से बातचीत की शुरुआत तुर्की की मदद से हुई है।

ब्रिक्स देशों के सम्मेलन का आयोजन 22 से 23 अक्टूबर तक रूस के कजान शहर में होने जा रहा है। इस सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी से युद्ध के समाधान की दिशा में नई पहल हो सकती है। रूस और अन्य वैश्विक नेताओं के साथ बातचीत से युद्ध को खत्म करने के प्रयासों को बल मिल सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन के संकेत बढ़ रहे हैं और भारत की भूमिका इस दिशा में अहम हो सकती है। बातचीत के दौर और युद्धबंदी के समझौतों से उम्मीद जताई जा रही है कि युद्ध जल्द खत्म हो सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब्त किया करोड़ों का सोना व नशीला पदार्थ

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ (मारिजुआना) जब्त किया। यह अवैध पदार्थ बैंकॉक के एक यात्री के पास से जब्त किया गया था। यात्री ने वैक्यूम-सीलबंद पैकेट में 1.45 किलोग्राम गांजा छुपाया था। चेक-इन लगेज में कपड़ों में नशीला पदार्थ लपेटा हुआ था। आरोपियों के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

- दो करोड़ रुपये का सोना जब्त

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात मामलों में 2 किलो 427 ग्राम सोना जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपये है। इसके अलावा 42 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया गया है। इसमें मोबाइल और टैबलेट शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि केन्या, जेद्दा, दुबई, रसूल खैमाह से मुंबई आने वाली उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद अधिकारियों ने इन विमानों के बाहर जाल बिछा दिया था। इन उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान इस सोने की तस्करी का खुलासा हुआ।

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश और असम के उप चुनाव के लिये घोषित किए प्रत्याशी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मप्र में होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने विजयपुर और बुदनी से प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस के दिल्ली स्थित मुख्यालय से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार विजयपुर से मुकेश मल्होत्रा को मैदान में उतारा गया है। वहीं बुदनी से पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल को टिकट दिया गया है। आपको बता दें कि बुदनी विधानसभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सांसद का चुनाव लडऩे और जीतने के बाद खाली हुई थी वहीं विजयपुर विधानसभा सीट पर राम निवास रावत ने कांग्रेस छोडऩे के बाद इस्तीफा दे दिया था। रावत को भाजपा ने फिर से विजयपुर से ही प्रत्याशी बनाया है जबकि बुधनी से भाजपा के वरिष्ठ नेता रमाकांत भार्गव चुनावी मैदान में है। दोनों सीटो पर 13 नवम्बर को मतदान होगा । परिणाम 23 नवम्बर को घोषित किये जावेंगे। वहीं असम में उप चुनाव के लिये कांग्रेस ने चार नामों की घोषणा की है। जिनमें धोलई (आरक्षित सीट) से ध्रुब ज्योति पुरकायस्थ और सिदली (आरक्षित सीट) से संजीब वारले को टिकिट दिया है वहीं बंगोई गांव से ब्रजेनजीत सिन्हा और समगुड़ी से तनजील हुसैन को मैदान में उतारा है।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी को हराने सपा प्रत्याशियों का करेगी समर्थन कांग्रेस

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) को अपना समर्थन देने का फैसला लिया है। कांग्रेस ने पहले पांच सीटों की मांग की थी, लेकिन जब संपा से बात नहीं बनी तो कांग्रेस ने गाजियाबाद और खैर सीटों पर अपनी उम्मीदवारी पर विचार किया। हालांकि यहां भी स्थिति बदलने के बाद कांग्रेस ने अब उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों का समर्थन करने का फैसला लिया है।

बता दें इंडिया गठबंधन के तहत सपा ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ दी थी, लेकिन दोनों ही सीटों पर बीजेपी का दबदबा है। गाजियाबाद में 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 61.37 फीसदी वोट मिले थे, जबकि सपा को सिर्फ 18.25 फीसदी और कांग्रेस को महज 4.81 फीसदी वोट मिले थे।

इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उपचुनाव में हारने से बेहतर है कि वे सपा को समर्थन दें, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बना रहे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है और अब उसकी नजरें 2027 के विधानसभा चुनाव पर हैं। कांग्रेस नहीं चाहती कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का उत्साह कम हो और पार्टी के अंदर निराशा फैले।

कांग्रेस के इस फैसले के पीछे एक और कारण है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भी कुर्बानी दी थी, जब उसने अपनी सीटें नहीं मांगी और गठबंधन के तहत बीजेपी को हराने के लिए अपना समर्थन दिया था। अब कांग्रेस भी उसी रास्ते पर है और सपा के प्रत्याशियों का समर्थन करके गठबंधन के सिद्धांतों को मजबूत कर रही है। यह फैसला कांग्रेस द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से लिया गया है ताकि गठबंधन के सहयोग से अपनी राजनीतिक स्थिति को बेहतर किया जा सके और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का मनोबल बना रहे।

दिल के इलाज का खर्च 5 साल में 53फीसदी बढ़ा, बीमा क्लेम भी हुआ दोगुना

मुंबई,(ईएमएस)। भारत में दिल की बीमारियों के इलाज का खर्च पिछले पांच वर्षों में 53फीसदी तक बढ़ चुका है, जिससे इलाज के लिए मरीजों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का उपयोग, अस्पतालों की बढ़ती फीस और उपचार की जटिलता है। इसके साथ ही, दिल के इलाज से जुड़े बीमा क्लेम की संख्या भी दोगुनी हो गई है, जिससे यह साफ होता है कि लोग इलाज के लिए बीमा पर निर्भर हो रहे हैं।

देश में दिल की बीमारियों के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। उच्च कोलेस्ट्रॉल, अनियमित जीवनशैली, शारीरिक असक्रियता और तनाव जैसे कारण दिल से संबंधित बीमारियों का मुख्य कारण बन रहे हैं। इससे इलाज की मांग बढ़ी है, जिससे अस्पतालों की सेवाओं और उपकरणों की लागत में इजाफा हुआ है। मरीजों को इलाज की प्रक्रिया में एंजियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, हार्ट ट्रांसप्लांट जैसी जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिनकी लागत भी ज्यादा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल के इलाज में सबसे बड़ी वृद्धि एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी की लागत में हुई है। इन प्रक्रियाओं की कीमत में 5 साल में 50फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ है। इसके अलावा, अस्पतालों में वॉर्ड और आईसीयू के खर्च में भी वृद्धि देखी गई है, जो इलाज की कुल लागत को प्रभावित करता है।

बीमा कंपनियों द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि दिल के इलाज से संबंधित बीमा क्लेम दोगुने हो गए हैं। यह दर्शाता है कि लोग अपनी चिकित्सा खर्चों को कवर करने के लिए बीमा का सहारा ले रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा कंपनियों को इस बढ़ती मांग के अनुरूप अपनी सेवाओं को सुधारने और अधिक योजनाएं लाने की आवश्यकता है। बीमा कंपनियों के अनुसार, दिल के इलाज से जुड़े क्लेम के बढ़ने से बीमा क्षेत्र पर दबाव बढ़ गया है। हालांकि, यह भी साफ है कि बीमा की बढ़ती मांग से लोगों को इलाज में आर्थिक राहत मिल रही है। बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि दिल के इलाज की बढ़ती लागत और बीमा क्लेम के बढ़ने से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में सुधार और विस्तार की जरूरत महसूस हो रही है, ताकि अधिक लोगों को इस सुविधाजनक इलाज का लाभ मिल सके।

कैब में दी लिफ्ट, फिर की लूटपाट, अदालत ने दस साल की सुनाई सजा

गुरुग्राम,(ईएमएस)। एक स्थानीय अदालत ने 2019 में यात्री से लूटपाट करने के आरोप में तीन लोगों को दस साल की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने दोषियों पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला 22 जनवरी 2019 का है, जब एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि गुरुग्राम में एक कैब में लिफ्ट देने के बाद उसके साथ लूटपाट की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने राहुल, दीपक, और भानु प्रताप उर्फ प्रदीप को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए अदालत ने यह सजा सुनाई, जिससे न्यायालय में इस मामले का निपटारा हो गया और यात्री भी न्याय पा खुश था।

बिहार में 'इंडिया' गठबंधन ने चार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

पटना (ईएमएस)। बिहार में 'इंडिया' गठबंधन ने चार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। इन चार में से तीन सीट विधायकों के लोकसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई थीं। वहीं इमामगंज सीट पर जीतन राम मांझी ने अपनी बहू को टिकट दिया है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तीन सीट रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) तरारी से चुनाव लड़ेगी। रामगढ़ से जगदानंद सिंह के बेटे तथा सुधाकर सिंह के भाई अजित सिंह को राजद का उम्मीदवार बनाया गया है। सुधाकर सिंह के बक्सर से लोकसभा सदस्य बनने के बाद रामगढ़ सीट खाली हुई थी। बेलागंज में विश्वनाथ कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले, इस सीट से उनके पिता सुरेन्द्र प्रसाद यादव चुनाव लड़ते थे, जो अब जहानाबाद से सांसद हैं। इमामगंज से राजद ने गया जिला परिषद के पूर्व सदस्य रोशन मांझी को टिकट दिया है।

तरारी में भाकपा (माले) के उम्मीदवार राजू यादव हैं, जिन्होंने 2019 में आरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। तरारी से विधायक रहे सुदामा प्रसाद के इस साल आरा से लोकसभा सदस्य बनने के बाद उपचुनाव हो रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से भाजपा ने रामगढ़ और तरारी से अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। रामगढ़ से भाजपा के उम्मीदवार अशोक कुमार सिंह पूर्व विधायक हैं, जबकि तरारी के प्रत्याशी विशाल प्रशांत कई बार विधायक रह चुके सुनील पांडेय के बेटे हैं।

इमामगंज सीट पर जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा चुनाव लड़ेगी, जिनके गया से लोकसभा सदस्य बनने के कारण उपचुनाव हो रहा है। जीतन राम मांझी ने इसके लिए अपनी बहू दीपा मांझी को टिकट दिया है, जो मांझी के बेटे और राज्य के मंत्री संतोष सुमन की पत्नी हैं। बेलागंज सीट पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) चुनाव लड़ सकती है, जो 2020 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। पार्टी ने अभी अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। मतदान 13 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में निर्माण स्थल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में 2 मजदूरों की मौत

गांदरबल (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में 2 मजदूरों की मौत हो गई । एक पुलिस अधिकारी ने दो मजदूरों के मारे जाने की पुष्टि की। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है।

झारखंड में इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे से असंतुष्ट राजद ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड में इंडिया अलायंस के सीट बंटवारे से असंतुष्ट घटक दल राष्ट्रीय जनता दल ने न केवल अल्टीमेटम दिया बल्कि यहां तक साफ कर दिया कि

जन हितैषी

भारी भरकम फीस जमा करने के बाद भी समय पर न्याय नहीं

भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रखे जाने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी है। वर्तमान न्यायपालिका एक तरह से सरकार के नियंत्रण में काम करती हुई नजर आ रही है। जिसके कारण दिनों दिन न्यायपालिका की साख आम जनता की नजरों में गिरती चली जा रही है। सामान्य नागरिक कानून की पेचीदगियों को नहीं जानता है। कानून का इस्तेमाल वर्तमान में गरीब और मध्यम वर्ग का शोषण करने के लिए हो रहा है। आम आदमी कानून के मकडजाल में फंसकर छटपटा रहे हैं। शासन प्रशासन और दबंग लोगों द्वारा जिस तरह से आम जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। खुलेआम उनके साथ लूट की जा रही है। उसके बाद न्यायालय से भी उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। पिछले दो दशकों में जिस तरह से नए-नए कानून बनाये जा रहे हैं। उसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। न्यायालयों में मुकदमे बढ़ते ही जा रहे है। न्यायपालिका भी नियम और कानूनो के संदर्भ में जिस तरह से संवधानिक व्याख्या करनी होती है। उसकी अनदेखी कर सरकार के बनाये कानून को सही मान लेती है। कई वर्षों तक याचिकाओं की सुनवाई नहीं होती है। पिछले एक दशक में आम जनता, न्यायपालिका की प्राथमिकता से दूर होती चली जा रही है। न्यायपालिका द्वारा स्वयं संज्ञान लेना भी बंद कर दिया है। न्यायपालिका यह मानकर सुनवाई और निर्णय करती है। सरकार जो कुछ कर रही है, वह ठीक ही कर रही है। आम जनता ने सरकार को बहुमत दिया है। सरकार जो कानून बनना चाहती है, उसके लिए सरकार सक्षम है। यहां पर न्यायपालिका इस बात को भूल जाती है। संविधान ने आम नागरिकों के जो मौलिक अधिकार संरक्षित रखने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को दी है। विभिन्न कानून और विभिन्न नियमों के तहत रोजाना मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। इसके बाद भी न्यायपालिका चुप बैठी हुई है। भारत में न्याय पाना बड़ा महंगा और कठिन हो गया है। न्याय पाने के लिए भारी भरकम फीस जमा करनी पड़ती है। मुकदमा लड़ने के लिए वकीलों को फीस देने के लिए बहुत बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। उसके बाद भी भारतीय नागरिकों को न्यायालयों से समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। हां तारीख पर तारीख जरूर मिलती है। हाल ही में भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद कई मामलों में न्यायालय फीस बेतहाशा बढ़ा दी गई है। नए कानून में इतनी जटिलताएं हैं। भारी फीस भरने के बाद भी कई महीनो तक मुकदमा शुरू नहीं हो पता है। अपराधिक मामले में जब तक आरोपी को न्यायालय की सूचना तामील नहीं होती है। तब तक मुकदमा न्यायालय में दर्ज भी नहीं होता है। चेक बाउंस मामले में तो हालात और भी खराब हो गई है। पहले ही चेक के माध्यम से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जाता है। जब उसे मामले को कोर्ट में ले जाया जाता है, तब भारी भरकम न्यायालय फीस जमा करनी पड़ती है। कई महीनो तक नोटिस तामील नहीं होते हैं। न्यायालय में मामला पंजीकृत नहीं होता है। फरियादी न्यायालय के चक्कर लगाता रह जाता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार जिस तरह से आए दिन नए-नए कानून और नियम बना रहे हैं। एक एक्ट दूसरे एक्ट के नियमों को ओवरलैप करते हैं। जिसके कारण न्यायालय में मामले कानूनी विवाद से उलझ जाते हैं। न्यायालय के लिए भी उन विवादों पर फैसला करना आमतौर पर संभव नहीं होता है। वादी जिस विवाद को लेकर न्यायालय में जाता है। जो कानून हैं, वह एक दूसरे के विपरीत होने के कारण दोनों ही पक्ष उसका फायदा उठाने के लिए मामले को उलझाते चले जाते हैं। कई कई साल ट्रायल कोर्ट में ही मामले लटके रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट आए दिन न्याय व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं। अब यह दाबे भी राजनेताओं के वादों की तरह दिखने लगे हैं। 70 फ़ीसदी से ज्यादा मामले सरकार के विरुद्ध होते है। ट्रायलकोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट सरकार को मामले की सुनवाई के दौरान समय पर समय देते चले जाते हैं। कई महीने और कई बरस बीत जाते हैं। सरकार का जवाब नहीं आता है। सरकार जो कहती है। उसे न्यायालय आंख बंद करके मान लेते हैं।वादी अथवा याचिकाकर्ता की न्यायालय में बात ही नहीं सुनी जा रही है। बिना सुने मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से खारिज कर दिए जा रहे हैं। भारी भरकम न्यायालयीन फीस जमा कराई जा रही है। अब तो न्यायालय याचिकाएं निरस्त करने के साथ जुर्माना भी वसूल करने लगी हैं। जिसके कारण न्यायालय को लेकर आम जनता के मन में डर और भय देखने को मिल रहा है। पिछले 10 वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने न्यायालय में सुनवाई के दौरान जो कहा, वह फैसले में कभी देखने को नहीं मिला। जो फैसला आए,वह आधे अधूरे थे। सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसले दिये। सरकार ने कानून बनाकर बदल दिया। सरकार और प्रशासन हाईकोर्ट के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेता है। वर्षों बाद भी आदेश में अमल नहीं होता है। हजारों अवमानना याचिकायें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। महाराष्ट्र में जिस तरीके से उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने काफी समय के बाद उसमें सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने खुद माना, राज्यपाल ने असंवैधानिक तरीके से सरकार गिराने का काम किया है। यदि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो सुप्रीम कोर्ट उद्धव ठाकरे की सरकार को बहाल कर देती। उसके बाद भी आज तक इस मामले का कोई फैसला नहीं आया। असंवैधानिक सरकार चलती रही। 5 साल का कार्यकाल विधानसभा का पूरा हो गया। लोगों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम और खत्म होता जा रहा है। त्वरित न्याय के लिए अब लोग नेताओं और गुंडो के पास जाना पसंद कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से शासन और प्रशासन जिस तरह से आम आदमी को उत्पीड़िन कर रहे हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट आंख बंद करके तमाशा देख रही है। लोगों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास कम होता जा रहा। आम आदमी अपने विवादों के निपटारे के लिए गुंडे-बदमाशों और राजनेताओं का सहारा ले रहा है। उसे ही अपना भाग्य मानकर स्वीकार करने के अलावा उसके पास अब कोई भी विकल्प नहीं बचा है। पिछले वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका ने खुद नागरिकों के मौलिक अधिकारों को दबाने और कुचलने में सरकारों और प्रशासन को सहयोग दिया है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है।

अब अपनी बंद नहीं, खुली आंखों से देखेगी इंसाफ की देवी

देश के मुख्य न्याय मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने न्याय के क्षेत्र में एक अनोखी पहल की जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा की आंखों से पट्टी हटा कर उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब थमा दी गई है जबकि पहले इस प्रतिमा के एक हाथ में तराजू तो दूसरे हाथ में तलवार थी और आंखों में पट्टी बंधी हुई थी ये यह अनोखा परिवर्तन बहुत लंबे वक्त के बाद किया गया है जो अपने आप में कानून की देवी की एक अलग व्याख्या करता है ।

कानून अंधा होता है इसका तात्पर्य यह था कि उसकी निगाह में अमीर, गरीब, बलवान, कमजोर, पीड़ित और अत्याचारी सब एक जैसे हैं क्योंकि जब वह अपनी आंखों में पट्टी बांधे हुए थी तो उसके सामने यह सच नहीं आता था कि उसके सामने न्याय की मांग करने वाला कौन है इसलिए वो इनमें भेदभाव ना करते हुए न्याय प्रदान करती थी

कानून अंधा होता है ये ना केवल एक कहावत बन गई थी बल्कि इस पर फिल्में भी बनी है इसके साथ-साथ इस न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू थी जो इस बात को प्रतिबिंबित करती थी कि उसके तराजू में कोई पासंग नहीं है वह वह दोनों पक्षों को बराबरी से सुनती है और फिर अपनी तराजू पर उसको तौल कर पर न्याय का प्रदर्शन करती है दूसरे हाथ में तलवार शक्ति का भी प्रदर्शन करती थी। तलवार वीरों का हथियार आदिकाल से हिंदू संस्कृति का एक अंग रहा है इस तलवार का अर्थ यह भी था कि न्यायालय जो भी निर्णय देता है उसका सम्मान संबंधित लोगों को करना चाहिए और ऐसा नहीं होता है तो वह तलवार की धार जैसा नुकीला निर्णय भी दे सकता है ।

अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही इस परिपाटी को बदलने का ना तो किसी ने सोचा था और ना ही इस पर किसी ने कोई पहल की थी लेकिन अपने कठोर निर्णयों के लिए मशहूर देश के मुख्य न्यायाधीश मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने जो पहल की है उसने न्याय, और न्याय करने वालों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है

इस नई पहल के तहत इंसाफ की देवी की आंखों से पट्टी इसलिए हटा दी गई है कि वह अपनी खुली आंखों से सब कुछ देख सके, किसी अंधे की तरह टटोलकर किसी चीज का निर्णय न कर सके, अपनी जीवंत आंखों के माध्यम से हर मुकदमे को देखे समझे और फिर उस पर अपना निर्णय दें। आंखों पर से पट्टी हटाने के पीछे शायद यह कारण भी उनके दिलों दिमाग में रहा होगा कि कानून अगर अंधा माना जाएगा तो उसके निर्णय पर भी उंगली उठाई जा सकती है। इंसाफ की देवी के हाथ से तलवार हटाकर उनके हाथ में संविधान देना इस बात को भी रेखांकित करेगा कि कानून संविधान से बंधा हुआ है जो संविधान भारत के लिए लिखा गया है उसी के तहत कानून अपना काम करेगा। किसी भी देश का संविधान उस देश की आत्मा होता है भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संविधान हर नागरिक, को हर संस्था को अलग-अलग अधिकार देता है जो एक सफल लोकतांत्रिक देश के लिए आवश्यक होता है। तलवार की बजाय न्याय की देवी के हाथ में संविधान देना इसी लोकतांत्रिक परिपाटी का एक सबसे सफल और सुखद अध्याय माना जाएगा ।

पिछले दिनों बहुत से ऐसे कानूनों में परिवर्तन किया गया जो अंग्रेजों के जमाने के थे उन्हें एक नई परिभाषा दी गई, धाराओं में बदलाव किया गया जो कहीं ना कहीं कानून को सरल और आम आदमी के लिए बेहतर न्याय के लिए उठाया गया कदम था अब देश के मुख्य न्यायमूर्ति ने न्याय की देवी को एक अलग प्रतिमूर्ति के रूप में दर्शाने की कोशिश की है वह निसंदेह भारत की कानून व्यवस्था, उसके प्रति सोच लोगों को मिलने वाले न्याय के प्रति एक सुखद दृष्टिकोण साबित होगा ।

(लेखक- निखिल भट्ट/ ईएमएस)

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली- मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बर्बादी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं।

बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन ''मौसम प्रबंधन'' तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी।

नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये। (लेखक- ललित गर्ग /ईएमएस)

भारत की भी एक राष्ट्रभाषा अवश्य होनी चाहिए : न्यायमूर्ति रवि रंजन

साहित्य सम्मेलन के दो दिवसीय 106ठे स्थापना दिवस समारोह एवं 43वें महाधिवेशन का हुआ उद्घाटन,

सम्मेलन की उच्च उपाधि विद्या वारिधि से सम्मानित हुए पूर्व मुख्य न्यायाधीश, वरिष्ठ लेखिका किरण सिंह, अम्बरीष कान्त तथा पुनीता कुमारी श्रीवास्तव की पुस्तकों और सम्मेलन साहित्य के विशेषांक का हुआ लोकार्पण, संध्या में आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ।

पटना (ईएमएस)। हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अप्रतिम योगदान है। इसके 105 वर्ष का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है। भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डा राजेंद्र प्रसाद, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, रामवृक्ष बेनीपुरी, राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह, महापंडित राहूल सांकृत्यायन जैसी महान विभूतियों ने इसे अपना रक्त देकर सिंचित और पल्लवित-पुष्पित किया।

यह बातें शनिवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के दो दिवसीय 106ठे स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए, झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और महानदी जल-विवाद न्यायाधिकरण के सदस्य न्यायमूर्ति रवि रंजन ने कही। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य राष्ट्रों की भाँति भारत की भी कोई एक राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। बहुभाषी-राष्ट्र होने का यह अर्थ नहीं है कि उसकी एक राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती। देश को एक सूत्र में बांधने के लिए संवाद की कोई एक भाषा नितान्त आवश्यक है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि भारत की गौरव-वृद्धि में हिन्दी साहित्य सम्मेलन का उच्च अवदान रहा है। यह गौरव का विषय है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति ही नहीं बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डा श्रीकृष्ण सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह, वीरचंद पटेल, डा लक्ष्मी नारायण सुधांशु जैसे महापुरुष सम्मेलन के कार्यकर्ता और हिन्दी प्रचारक थे। डा सुलभ ने कहा कि यह बिहार के लिए यह भी गौरव का विषय है की स्वतंत्र भारत में बिहार प्रथम प्रदेश है, जिसने हिन्दी को अपनी राजभाषा बनायी। उन्होंने कहा कि बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के स्वर में पहली बार बिहार ही हिन्दी को देश की राष्ट्रभाषा बनाने का संघर्ष आरंभ किया है, जिसे पूरे देश का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

इस अवसर पर डा सुलभ ने न्यायमूर्ति श्री रवि रंजन को सम्मेलन की उच्च मानद उपाधि विद्या वारिधि से विभूषित किया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र) के अध्यक्ष और विश्रुत विद्वान प्रो सूर्य प्रसाद दीक्षित को सम्मेलन की सर्वोच्च मानद उपाधि विद्यावाचस्पति प्रदान की गयी। उद्घाटन-समारोह में पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेंद्र प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत सम्मेलंके वरीय उपाध्यक्ष जियालाल आर्य ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन सम्मेलन के 92 वर्षीय विद्वान प्रधानमंत्री डा शिव वंश पाण्डेय ने किया। मंच-संचालन डा शंकर प्रसाद ने किया।

इस अवसर पर साहित्य सम्मेलन द्वारा प्रकाशित कथाकार अम्बरीष कांत के उपन्यास ख़त मिला नहीं , युवा-लेखिका पुनीता कुमारी श्रीवास्तव के उपन्यास सिद्धार्थ की सारंगी, वरिष्ठ लेखिका किरण सिंह की पुस्तक लय की लहरों पर तथा सम्मेलन की पत्रिका सम्मेलन साहित्य के महाधिवेशन विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस सत्र के संयोजक थे कुमार अनुपम ।

उद्घाटन-समारोह के बाद प्रो सूर्य प्रसाद दीक्षित की अध्यक्षता में, महाधिवेशन का प्रथम वैचारिक सत्र आरंभ हुआ, जिसका विषय भारत की राष्ट्रभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं पर इसका प्रभाव रखा गया था। सत्र के मुख्य वक्ता और मेरठ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो रवींद्र कुमार ने कहा कि हिन्दी भारतीय दर्शन और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली भाषा है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने धर्म-सुधार आंदोलन में इसी भाषा को अपनाया था। सरदार वल्लभ भाई पटेल, लोकमान्य तिलक, सुभाष चंद्र बोस जैसे अहिंदी भाषी महापुरुषों ने भी इस भाषा के महत्त्व को समझा था और उसके प्रचार पर बल दिया। हिन्दी को रोज़गार से जोड़ा जाना चाहिए।

सत्राध्यक्ष प्रो दीक्षित ने कहा कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने से देश की अनय किसी भी भाषा पर कोई दुष्प्रभाव नही होगा। देश में कई अनय भाषाएँ हैं, जिनका नाम सविधान की अष्टम अनुसूची नहीं हाई, फिर भी उनका अस्तित्व पूर्व की भाँति बना हुआ है और अनेक विकसित भी हो रही है।

अतिथियों का स्वागत सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा उपेंद्रनाथ पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन स्वागत समिति के उपाध्यक्ष पद्मश्री विमल जैन ने किया। सत्र का संचालन सम्मेलन के प्रचार मंत्री डा ध्रुव कुमार ने किया। इस सत्र के संयोजक थे डा मनोज गोवर्द्धनपुरी।

भोजनावकाश के पश्चात दूसरा सत्र आरंभ हुआ, जिसका विषय था महाप्राण निराला की काव्य-दृष्टि। कोलकाता के विद्वान हिन्दी-सेवी और पत्रकार कुँवर वीर सिंह मार्तण्ड की अध्यक्षता में आहूत हुए इस सत्र के मुख्य वक्ता और अनुग्रह नारायण महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो कलानाथ मिश्र ने कहा कि महाप्राण निराला की रचनाओं में दिव्य-चेतना है। राम की शक्ति पूजा में व्यक्तिगत अनुभूति को समष्टिगत अनुभूति से जोड़ने का प्रयास किया गया है। निराला के काव्य में विद्रोह के स्वर भी हैं, किंतु वे आम आदमी और साहित्य के कल्याण की थाती हैं।

नव नालंदा महाविहार, नालंदा के आचार्य डा अनुराग शर्मा ने कहा कि नाम के अनुरूप ही निराला का व्यक्तित्व निराला था। क्रांति और विद्रोह से वह समाज में व्याप्त असमानता को दूर करना चाहते हैं। मंच का संचालन डा अर्चना त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन स्वागत समिति के उपाध्यक्ष पारिजात सौरभ ने किया। सत्र की संयोजिका थी डा सुषमा कुमारी।

तीसरा वैचारिक सत्र, जिसका विषय रामवृक्ष बेनीपुरी की भाव-भाषा था, बेनीपुरी जी के अनेक उज्ज्वल-पक्ष को सामने लेकर आया। सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा शिव वंश पाण्डेय की अध्यक्षता में आहूत इस सत्र के मुख्य वक्ता और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अवकाश प्राप्त अधिकारी बच्चा ठाकुर ने कहा कि भाव-भावनाओं के विपुल ऊर्जावान बेनीपुरी जी ने कई क्षेत्रों मेन महत्त्वपूर्ण अवदान कर्ते हुए एक वरेण्य साहित्यकार हो गए। उन्होंने अपनी महान कृति गेहूं और गुलाब के माध्यम से पाठकों पर गहरा प्रभाव डाला।

पूर्णिया की वरिष्ठ साहित्यकार डा निरुपमा राय, डा सुमेधा पाठक तथा सागरिका राय ने भी विशिष्ट वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा ने, धन्यवाद-ज्ञापन सम्मेलन के पुस्तकालय मंत्री ई अशोक कुमार ने तथा मंच संचालन सम्मेलन की संगठन मंत्री डा शालिनी पाण्डेय ने किया। इस सत्र के संयोजक थे स्वागत समिति के उपाध्यक्ष डा आर प्रवेश।

आज के तीनों वैचारिक सत्रों के बाद संध्या में, सम्मेलन के कला-विभाग द्वारा, अतिथियों एवं प्रतिनिधियों के सम्मान में एक भव्य सांस्कृतिक-कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। सबसे पहले निराला की चर्चित काव्य-रचना राम की शक्ति पूजा पर नृत्य-नाटिका का प्रदर्शन किया गया, जिसका निर्देशन सम्मेलन की कलामंत्री डा पल्लवी विश्वास ने किया था। इसके पश्चात हमन है इश्क़ मस्ताना शीर्षक से डा शंकर प्रसाद का गायन हुआ। तीसरी प्रस्तुति सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक हवालात के रूप में हुई, जिसका निर्देशन अमित राज ने तथा मार्ग-दर्शन सुप्रसिद्ध रंगकर्मी अभय सिन्हा ने किया। अंतिम प्रस्तुति बिहार की पारंपरिक लोक-नृत्य कजरी और मुखौटा नृत्य के रूप में हुई, जिनका नृत्य-निर्देशन सोमा आनद ने किया। इन प्रस्तुतियों ने सभी प्रतिनिधियों के मन का पर्याप्त रंजन किया। सभागार बारंबार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। (ईएमएस)

आज का इतिहास 21 अक्टूबर

1296 अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली की गद्दी पर बैठे थे।

1833 आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल का जन्म।

1879 अमरीका के थामस अल्वा एडीसन ने विद्युत लैम्प का अविष्कार किया।

1916 आस्ट्रिया के प्रधानमंत्री काउंट कार्ल स्टरगी की हत्या कर दी गई।

1943 आजाद हिंद फौज सरकार का गठन सिंगापुर में हुआ।

1945 फ्रांस के चुनावों में महिलाओं ने पहली बार मतदान में भाग लिया।

1963 क्यूबा ने अमरीका से आर्थिक प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया।

1969 पश्चिमी जर्मनी के 21 वर्ष के इतिहास में पहली बार सोशल डेमोक्रैट विली ब्रांट चांसलर बने।

1971 उत्तर वियतनाम ने युद्ध विराम स्वीकार किया ताकि शांति की दिशा में प्रयास किए जा सकें।

1973 खाड़ी के चार देशों ने अमरीका को तेल भेजने पर रोक लगायी थी।

1989 होंडुरास का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिससे 12 यात्रियों की मौत हो गयी।

1993 बुरंडी के राष्ट्रपति मेल्शियो एन्ददाए सैनिक क्रांति में मारे गए।

2002 प्रसिद्ध पंजाबी लेखक हरभजन सिंह का निधन

शब्द पहेली - 8164

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8163 का हल

श	ब	न	म			आ	का	श
रा		स्न	र	ही	न		म	
रा	त		सी	ना			शी	
	र	ग		ला		क	बी	र
	का	ज	ल		अ	स	र	
क	ती	ब		मि		र	ब	
रा			घ	रा			ल	ब
मा		रा	ह	ज	नी			हा
त	र	ह			म	ज	बू	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

जोकोविच और सिनेर जीते

रियाद (ईएमएस)। रियाद में आयोजित सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप में इटली के

कंपनियों के नतीजों, वै?श्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है तथा बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय बाजार के प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। उनका रुख वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। एचडीएफसी बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,825.91 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक का लाभ सितंबर तिमाही में बढ़कर 16,820.97 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 15,976.11 करोड़ रुपये था। बाजार ?विश्लेषकों ने कहा ?कि किसी भी प्रमुख संकेतक के अभाव में बाजार भागीदारों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सबसे पहले वे एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक जैसे बड़े बैंकों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ?लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियां भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, वन97 कम्युनिकेशंस, जोमैटो, बजाज फिनसर्व और बैंक ऑफ बड़ौदा के भी तिमाही नतीजे आएंगे। कोटक महिंद्रा बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा 13 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 5,044 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता, चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती और घरेलू बाजारों से लगातार एफआईआई की निकासी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। पिछले सप्ताह विदेशी कोषों की भारी निकासी से घरेलू बाजार में गिरावट आई। ?विश्लेषकों का कहना है ?कि एफआईआई की बिकवाली और डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) की खरीद का रुझान निकट भविष्य में बरकरार रहने की संभावना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की वजह भारत में ऊंचा मूल्यांकन और चीन के शेयरों का सस्ता मूल्यांकन है।

देश में 2030 तक 120 करोड़ स्मार्टफोन कनेक्शन होने का अनुमान

-आधे यूजर्स 5जी स्मार्टफोन का कर रहे होंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में साल 2030 तक 120 करोड़ स्मार्टफोन कनेक्शन होने का अनुमान है। इन कनेक्शन धारियों में से आधे यूजर्स 5जी स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे होंगे। भारत में 2030 तक स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने जा रही है।

वैश्विक मोबाइल नेटवर्क बॉडी जीएसएमए के अनुसार, देश में 2030 तक 64.1 करोड़ से अधिक 5जी सब्सक्राइबर्स होने का अनुमान है, जिनकी संख्या 49 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। जीएसएमए इंटेलिजेंस के अनुमानों के अनुसार, भारत में अगले छह वर्षों में 5जी मोबाइल सब्सक्राइबर्स की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी और डेटा का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ेगा 5जी सब्सक्राइबर्स की संख्या में इस जबरदस्त उछाल से डेटा खपत में भी भारी वृद्धि होगी, जिससे भारतीय दूरसंचार कम्पनियां बड़े निवेश करने के लिए प्रेरित होंगी। भारत में प्रति ग्राहक डेटा खपत 2023 -2029 के बीच 15 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 68 जीबी प्रति माह तक पहुंचने की संभावना है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, भारत और इंडोनेशिया आर्थिक लचीलेपन, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलीकरण का लाभ उठाने की बेहतर स्थिति में हैं। संगठन ने कहा, नवीनतम जीएसएमए मोबाइल इकोनॉमी एशिया पैसिफिक 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2030 तक 120 करोड़ स्मार्टफोन कनेक्शन होने का अनुमान है, जबकि इंडोनेशिया के 2030 तक 38.7 करोड़ कनेक्शन तक पहुंचने की उम्मीद है।

मेटा के बाद अब नोकिया ने की 2000 कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई (ईएमएस)। मेटा के बाद अब नोकिया ने भी ग्रेटर चीन क्षेत्र में लगभग 2000 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह संख्या कंपनी के कुल वर्कफोर्स का करीब पांचवां हिस्सा है और इसका उद्देश्य लागत में कटौती करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोकिया यूरोप में भी 350 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। नोकिया के बीजिंग और शंघाई के साथ-साथ हांगकांग और ताइवान में कई ऑफिस हैं, जो कंपनी के ग्रेटर चीन क्षेत्र का हिस्सा हैं और जहां से यह चाइना मोबाइल जैसे क्लाइंट्स को सेवाएं देती है। नोकिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह 2026 तक 80 करोड़ यूरो से लेकर 1.2 अरब यूरो के बीच बचत करने के लिए 14,000 नौकरियों में कटौती करेगी। यह छंटनी उसी योजना का हिस्सा है। नोकिया के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि यूरोप में 350 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर कंसल्टेशन शुरू हो गया है लेकिन ग्रेटर चीन में हुई छंटनी पर कोई टिप्पणी नहीं की। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2023 तक नोकिया के पास ग्रेटर चीन में 10,400 और यूरोप में 37,400 कर्मचारी थे। जब नोकिया ने पिछले साल नौकरी में कटौती की घोषणा की थी, तो उसके कुल कर्मचारी 86,000 के आसपास थे। कंपनी का लक्ष्य 2026 तक इस संख्या को घटाकर 72,000 से 77,000 के बीच करना है। वर्तमान में नोकिया के पास लगभग 78,500 कर्मचारी हैं। नोकिया के लिए कभी चीन दूसरा सबसे बड़ा बाजार हुआ करता था लेकिन 2019 से पश्चिमी देशों द्वारा हुवावै पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद, नोकिया और एरिक्सन के लिए चीनी टेलिकॉम ऑपरेटर्स की ओर से कॉन्ट्रैक्ट्स में कमी आ गई। 2019 में नोकिया की शुद्ध बिक्री का 27 फीसदी हिस्सा ग्रेटर चीन से आया था लेकिन हाल की तिमाही में यह योगदान 6 फीसदी से भी कम रह गया है।

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की गई

- चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं सीएनजी के भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की है। सूत्रों से ?मिली जानकारी के मुता?बिक ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के भाव चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं। भारत में अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है।सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं। एक विकल्प यह है कि सरकार सीएनजी पर उत्पाद शुल्क में कटौती करे। वर्तमान में, केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 प्रतिशत उत्पाद शुल्क वसूलती है, जो 14-15 रुपये प्रति किलोग्राम बैठता है। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कटौती की जाती है, तो खुदरा विक्रेताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डालना पड़ेगा।

पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है एलन मस्क का स्टारलिंक सैटेलाइट

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने सैटेलाइट इंटरनेट स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसें में स्टार?लिंक सर्विस का जिक्र दोबारा से शुरू हो गया है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट पूरी दुनिया में बेहद पॉपुलर है। यह पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है। इसके लिए स्टारलिंक को जमीन के भीरत कोई तार नहीं बिछाने होते हैं। न ही स्टारलिंक की ओर से कोई मोबाइल टावर लगाए जाते हैं। यह एक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस है, जिसकी मदद से देश के दूर-दराज के इलाकों तक बिना तार, केबल और मोबाइल टावर के हाई स्पीड इंटरनेट और कॉलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्पेस एक्स कंपनी के तहत काम करती हैं, जिसके ओनर एलन मस्क है। वहीं एलन मस्क जिन्होंने हाल ही में सोशल नेटवर्किंग साइट ?टिवटर को खरीदा था। स्टारलिंक एक ग्लोबल ब्रॉडबैंड नेटवर्क है, जो लोअर-अर्थ आर्बिट बेस्ड सैटेलाइट सिस्टम पर काम करता है। यह हाई स्पीड इंटरनेट सर्विस पर काम करती है। एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स की स्थापना साल 2002 में हुई थी। स्टारलिंक सर्विस को खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह खराब मौसम जैसै बारिश, कोहरे और गर्मी में आराम से काम करती है। जब बादल होते हैं, उस वक्त भी स्टारलिंक सर्विस बिना किसी दिक्कत के काम करती है। स्टारलिंक मौजूदा वक्त में 36 देशों में मौजूद है। इसमें अमेरिका का नाम प्रमुखता से आता है। कंपनी 2025 तक ज्यादा से ज्यादा देशों तक पहुंचना चाहती है। भारत में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन शुरू हो चुका है। कंपनी जल्द ही भारत में सैटेलाइट सर्विस ऑफर कर सकती है।

भारत बना दुनिया का सबसे बडा दोपहिया वाहन बाजार

नई दिल्ली (ईएमएस) । चीन को पीछे छोडकर भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन बाजार बन गया है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती मांग, बेहतर मानसून और सरकार की ग्रामीण विकास संबंधी नीतियों के कारण भारत ने यह मुकाम हासिल किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में वैश्विक स्तर पर दोपहिया वाहनों की बिक्री में 4प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें भारत ने प्रमुख योगदान दिया। भारत में इस वर्ष की पहली छमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक सौमेन मंडल के अनुसार, भारत का यह मजबूत प्रदर्शन उसे दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन बाजार बनाने में मददगार साबित हुआ है। इस दौरान, वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, चीन में 125 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहन अब भी लोकप्रिय हैं, लेकिन वहां ग्राहक ई-साइकिल की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे पारंपरिक मोटरसाइकिल और स्कूटर की बिक्री में कमी आई है। दक्षिण पूर्व एशिया में इंडोनेशिया, वियतनाम, थाईलैंड और मलेशिया जैसे प्रमुख बाजारों में भू-राजनीतिक तनाव और कठोर ऋण नीतियों के कारण दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। दोपहिया वाहनों की वैश्विक बिक्री में शीर्ष 10 निर्माताओं का योगदान 75प्रतिशत से अधिक रहा। होंडा इस सूची में शीर्ष पर है, जबकि हीरो मोटोकॉर्प, यामाहा, टीवीएस मोटर और याडिया भी प्रमुख कंपनियों में शामिल हैं।

टीवीएस मोटर ने 25 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ सबसे तेज बढ़त हासिल की, जबकि याडिया में 29 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे वह पांचवें स्थान पर आ गई। रिपोर्ट के उपाध्यक्ष नील शाह ने बताया कि 2030 तक बिकने वाले 10 में से 4 दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। साथ ही, एम्बेडेड सेलुलर कनेक्टिविटी को अपनाने में तेजी आ रही है। जैसे-जैसे ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री सी-वी2एक्स तकनीक की ओर बढ़ेगी, दोपहिया वाहन क्षेत्र भी इस दिशा में आगे बढेगा।

गगनजीत भुल्लर एशियाई टूर खिताब की ओर अग्रसर, तीसरे दौर में बोगी रहित 66 का कार्ड खेला

बैंकॉक (ईएमएस)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने शनिवार को ब्लैक माउंटेन चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना बोगी किए 66 का कार्ड खेला। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भुल्लर अपने 12वें एशियाई टूर खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने पहले दो दौर में क्रमश: 65 और 66 के स्कोर बनाए थे, जिससे उनका कुल स्कोर 19 अंडर है। भुल्लर इस समय अमेरिका के जॉन कैटलिन (65) से दो शॉट की बढ़त बनाए हुए हैं। भुल्लर का अब तक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने तीन दौर में कुल 21 बर्डी लगाई हैं और केवल दो बोगी की हैं। इस लय को बरकरार रखते हुए वह खिताब जीतने की प्रबल दावेदारी कर रहे हैं।

अन्य भारतीय गोल्फरों में खालिन जोशी ने तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला और नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 39वें स्थान पर हैं। वहीं, करणदीप कोचर भी 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर बने हुए हैं। भुल्लर की शानदार बढ़त ने उन्हें खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है, और अंतिम दौर में वह अपने प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए इस खिताब पर कब्जा जमाने का प्रयास करेंगे।

ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है

खामेनेई ने सिनवार को बताया शहीद, हमास इजराइल से डरेगा नहीं लड़ता रहेगा

तेहरान,(ईएमएस)। गाजा में इजराइली हमले में हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत पर ईरान के अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा है कि सिनवार के बाद भी हमास इजराइल से डरेगा नहीं वह लड़ता रहेगा और प्रतिरोध की धुरी भी मजबूती से काम करती रहेगी। खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा।

सिनवार की गुरुवार को इजराइल के साथ लड़ते हुए मौत हो गई थी। ईरान ने इस हमले के लिए इजराइल को चेतावनी दी है और याह्या सिनवार की मौत को एक शहीद का दर्जा दिया है। खामेनेई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- हमास जिंदा था, जिंदा है और हमेशा जिंदा रहेगा। याह्या सिनवार की मौत प्रतिरोध की धुरी के लिए दुख लेकर आई है लेकिन उनकी मौत के बाद भी ये लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले भी शेख अहमद यासीन, फतही शकाकी, रंतिसी और इस्माइल हनिया के मौत के बावजूद से लड़ाई आगे बढ़ी और अब भी ये मोर्चा रुकने वाला नहीं है। ये लड़ाई लगातार और बिना रुके जारी रहेगी। हमास इजराइल से डरने वाला नहीं है।

खामेनेई ने आगे कहा कि मैं भाई याह्या सिनवार की शहादत पर उनके परिवार और साथियों से संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही इस लड़ाई के लिए अपनी जिंदगी समर्पित लोगों को बधाई भी देता हूं। कमांडर याह्या सिनवार एक ऐसे इंसान थे, जो अपनी पूरी जिंदगी लड़ते रहे और आखिरी दम तक दुश्मन का मुकाबला करते करते शहीद हो गए। याह्या को शहादत से कम कुछ कबूल हो भी नहीं सकता था। आखिर में याह्या अपने शहीद साथियों के साथ शामिल हो गए हैं।

खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा। खामेनेई के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि वह हमास और हिजबुल्लाह को फिर से मजबूत करने कड़ा कदम उठा सकता है। हालांकि ये मदद किस तरह से होगी, इस पर ईरान ने कोई इशारा नहीं किया है।

याह्या सिनवार लंबे समय से गाजा में हमास का चेहरा था। इस्माइल हानिया की मौत के बाद याह्या हमास का सर्वेसर्वा था। बीते साल अक्टूबर में लड़ाई शुरू होने के बाद से याह्या लगातार इजराइल पर हमले कर रहा था। याह्या की मौत को हमास के लिए झटका है लेकिन फिलिस्तीनी गुट ने ऐलान किया है कि उसकी इजराइल के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी, वह अपनी जंग जारी रखेगा।

जॉर्जिया में नाव टकराने से ढहा फेरी प्लेटफॉर्म, सात की मौत, कई लापता

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर छोटे यात्री जहाज प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हो गया है जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे यानी प्रवेश करने वाला प्लेटफॉर्म ढह गया। इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए जिसकी उनकी मौत हो गई और कई लापता हैं।

जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक कई लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और कई लोग लातपा बताए जा रहे हैं। जॉर्जिया के गवर्नर ने एक्स पर जानकारी दी कि कि वह और उनका परिवार सपेलो द्वीप पर हुई त्रासदी से दुखी हैं। राज्य और स्थानीय बचाव दल घटना पर मौजूद है और लोगों को तलाश करने का काम जारी है। उन्होंने शहर के लोगों से अनुरोध किया है कि वह उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो खो गए हैं, जो अभी भी खतरे में हैं, उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना करें। गवर्नर ने खोज, बचाव और रिकवरी में सहायता के लिए राज्य संसाधन भेजे हैं। इस हृदय विदारक क्षति के बाद मदद के लिए आगे आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि जॉर्जिया के मैकिन्टोश काउंटी में स्थित राज्य संरक्षित अवरोधक द्वीप सैपेलो द्वीप तक केवल नाव द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

टूडो के कनाडा में भारत के खिलाफ खालिस्तानियों को खुली छूट!

- भारतीय कांसुलेट के सामने किया उग्र प्रदर्शन, तिरंगे का ?किया गया अपमान

ओट्टावा (ईएमएस)। भारत की लगातार मांग के बावजूद कनाडा की जस्टिन टूडो की सरकार खालिस्तान अलगाववादियों पर लगाम नहीं लगा रही है। बल्कि ऐसा लगता है कि कनाडा में खालिस्तानियों को भारत विरोधी काम करने की छूट दे रखी है। अब खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया है, जहां खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। खालिस्तानी अलगाववादियों की इन गतिविधियों के चलते कनाडा में भारतीय राजनयिकों के लिए लगातार खतरा पैदा हो रहा है। हाल ही में खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी वैंकूवर में भारतीय कांसुलेट के सामने जमा हो गए। इस दौरान खालिस्तान समर्थकों ने भारत के प्रधानमंत्री का पुतला ले रखा था। कांसुलेट के सामने ही तिरंगे का अपमान किया गया। इस दौरान पीएम मोदी और भारत के खिलाफ नारेबाजी की गई। खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने टूडो सरकार से पूरे कनाडा में भारतीय कांसुलेट को बंद करने की मांग की। ये प्रदर्शन ऐसे समय में हुए हैं, जब कनाडा और भारत के रिश्ते बेहद तनाव भरे दौर से गुजर रहे हैं। कनाडा ने भारत के शीर्ष राजनयिकों पर गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का बेबुनियाद आरोप लगाया था, जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया था। 14 अक्टूबर को भारत ने अपने छह राजनयिकों को भारत वापस बुला लिया था। इसके साथ ही कनाडा के छह राजनयिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया था। इस बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि उनके देश में बाकी बचे भारतीय राजनयिक भी नोटिस पर हैं। जोली ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे किसी भी राजनयिक को बर्दाश्त नहीं करेगी जो विएना संधि का उल्लंघन करेगा। जोली से जब पूछा गया कि क्या दूसरे राजनयिकों पर भी कार्रवाई की जा सकती है? इस पर उन्होंने कहा ?कि वे साफतौर से नोटिस पर हैं। इनमें से 6 को निष्कासित किया गया है, जिनमें ओटावा में तैनात उच्चायुक्त भी शामिल हैं। दूसरे अधिकारी टोरंटो और वैंकूवर से हैं। जोली ने भारत की तुलना रूस से कर डाली। उन्होंने कहा ?कि हमने अपने इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा है। कनाडा की जमीन पर उस तरह का अंतरराष्ट्रीय दमन नहीं होने दिया जा सकता, जैसा कि हम यूरोप में देख चुके हैं। रूस ने जर्मनी-ब्रिटेन में ऐसा किया है और हमें इस मामले पर दृढ़ता दिखाने की जरूरत है।

रहस्यमयी सफेद चीज़ से वैज्ञानिकों में मची खलबली

ओटावा (ईएमएस)। रहस्यमयी सफेद चीज़ें कनाडा के समुद्र तटों पर बहकर आने से स्थानीय लोगों और वैज्ञानिकों में खलबली मच गई है। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर ये चीज है क्या। यह रहस्यमयी सफेद चीज़ें समंदर के किनारे बहकर आ रही हैं, लेकिन अब तक कोई भी व्यक्ति यह नहीं जान पाया है कि ये क्या हैं और कहां से आ रही हैं।

सबसे पहले इन सफेद चीज़ों को न्यूफाउंडलैंड के प्लेसेंटिया खाड़ी के तट पर देखा गया था। स्थानीय पर्यावरणविद् स्टेन टोबिन ने बताया कि यह चीज़ें देख कर ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने खराब रोटी बनाने की कोशिश की हो। उन्होंने कहा कि इनका आकार सिक्के से लेकर खाने की प्लेट तक बड़ा हो सकता है, और ये देखने में चिपचिपी, स्पंजी और ज्वलनशील लग रही हैं। टोबिन ने इन चीज़ों को स्टायरोफोम से मिलता-जुलता बताया, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह स्टायरोफोम नहीं हैं। यह अजीबोगरीब घटना फेसबुक ग्रुप बीचकॉम्बर्स ऑफ न्यूफ़ाउंडलैंड एंड लैब्राडोर में चर्चा का विषय बन गई। इस ग्रुप के सदस्य फिलिप ग्रेस ने सबसे पहले इन चीज़ों की तस्वीर साझा की थी और पूछा था कि क्या कोई जानता है कि ये क्या हैं। उन्होंने इन चीज़ों की तुलना तले हुए आटे से की थी। हालांकि, अब तक वैज्ञानिकों को यह नहीं पता चल सका कि ये चीज़ें किस प्रकार की हैं और ये कहां से आई हैं। कुछ अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि ये फंगस, मोल्ड, पाम ऑयल, पैराफिन वैक्स या एम्बरग्रीस (जो व्हेल से प्राप्त होता है और इत्र बनाने में उपयोग होता है) हो सकती हैं।

स्थानीय निवासियों ने कोस्ट गार्ड को सूचित किया, लेकिन अधिकारियों ने भी यह स्वीकार किया कि उन्हें इस बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्होंने जांच की और बताया कि यह चीज़ें वनस्पति आधारित हो सकती हैं, लेकिन इस पर और भी अध्ययन की आवश्यकता है। कनाडा के पर्यावरण मंत्रालय ने इस घटनाक्रम की गंभीरता को स्वीकार किया है और इस रहस्यमयी चीज़ की जांच के लिए कई बार तटों पर दौरा किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की शर्मनाक हार, सीरीज में 1-0 से पिछड़े

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। पांचवें दिन, न्यूजीलैंड ने 107 रन के लक्ष्य को दो विकेट गवांते हुए आसानी से हासिल कर लिया और भारत को 1-0 से पीछे कर दिया। इस जीत ने न्यूजीलैंड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त दिलाई है।

मैच के पहले दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो सका। दूसरे दिन, भारतीय टीम ने बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और पूरी टीम केवल 46 रन पर ऑल आउट हो गई। इस पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए, जबकि पांच बल्लेबाज बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। यह भारत के लिए एक निराशाजनक प्रदर्शन था, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई।

न्यूजीलैंड का मजबूत प्रदर्शन:

भारत के कमजोर प्रदर्शन के बाद, न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। डेवोन कॉन्वे ने 91 रनों की शानदार पारी खेली। तीसरे दिन, रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल ने पारी की शुरुआत की। रवींद्र ने 157 गेंदों पर 134 रन बनाकर मैच को पूरी तरह से न्यूजीलैंड की ओर मोड़ दिया। इसके अलावा, टिम साउदी ने भी 65 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। इस प्रकार, न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में कुल 402 रन बनाए।

भारत की संघर्षशील दूसरी पारी:

भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास किया। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने अच्छी शुरुआत दी, जहां रोहित ने 52 और यशस्वी ने 35 रन बनाएं। विराट कोहली ने भी अर्धशतक बनाया और टीम का स्कोर 231 तक पहुंचाया। चौथे दिन, सरफराज खान ने 150 रन की पारी खेली, जबकि ऋषभ पंत 99 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने अपनी दूसरी पारी में कुल 462 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड के सामने 107 रनों का लक्ष्य रखा।

107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे कुछ खास नहीं कर सके। टॉम लैथम बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। वे बुमराह के शिकार बने, उसके बाद डेवोन कॉन्वे भी सस्ते में बुमराह के शिकार बने। उन्होंने 17 रन बनाए। उसके बाद विल यंग और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड के लिए मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। विल यंग ने 48 और रचिन रवींद्र ने 39 रन बनाए और वे नाबाद रहे। इस तरह, न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। भारतीय टीम को अब अगले मैच में वापसी करने की चुनौती होगी।

यूक्रेन ने कहा- रुस में उत्तर कोरियाई सैनिक की तैनाती डराने जैसी

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा है कि एक वीडियो में कथित रूप से दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूसी सैन्य वर्दी एवं उपकरण लेने के लिए कतार में खड़े दिखाया गया है। अधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य यूक्रेनी सेना को डराना है और युद्ध के मैदान में एक अन्य देश के प्रवेश के साथ एक नया अध्याय जोड़ना है। वीडियो की पुष्टि यूक्रेन के 'सामरिक संचार और सूचना सुरक्षा केंद्र' द्वारा की गई है।

इस वीडियो में उत्तर कोरियाई सैनिक रूसी सैनिकों से बैग, कपड़े और अन्य परिधान लेने के लिए कतार में खड़े नजर आ रहे हैं। इस वीडियो की हम पुष्टि नहीं करते हैं।

इजराइल का शहरी इलाके में हमला, 73 नागरिकों की मौत, 100 से ज्यादा घायल

गाजा,(ईएमएस)। उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में इजराइली हमले में कम से कम 73 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए है, जबकि कई लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली हवाई हमलों ने एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाया, जिससे आसपास के कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। यह हमला एक भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाके में किया गया, जहां महिलाएं और बच्चे इसका शिकार बने।

हमले में इमारतें ढह गईं और मलबे के नीचे कई लोग दब गए। बेत लाहिया में स्थित अस्पताल के निदेशक ने कहा कि घायलों का इलाज करने के लिए जरुरी संसाधनों की कमी थी और मलबे में दबे कई लोगों को बचाया नहीं जा सका। उन्होंने इजराइली के इस हमले को नरसंहार और जातीय सफाए का युद्ध करार दिया है।

इस बीच, इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि हमास गाजा में हताहतों के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को भारत में लाने में सफलता मौजूदा पीएम मोदी को ही मिली : मुख्यमंत्री

- भूपेन्द्र पटेल ने दिवाली से पूर्व विरमगाम को दी 640 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दिवाली से कुछ दिन पहले ही रविवार को अहमदाबाद जिले के विरमगाम तथा यहाँ के लोगों को 640 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की राजनीति द्वारा दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भी जनता की समस्याओं का निवारण करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि राज्य में हर दिन विकास कार्यरूपी अनवरत यात्रा चलती ही रहती है। राज्य में कहीं न कहीं जन हितकारी कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास द्वारा राज्य सरकार निरंतर जनता की सुख-सुविधा के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव दीर्घ काल का विचार किया है। प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने वर्ष 2003 में राज्य में उद्योग-व्यवसाय तथा रोजगार क्षेत्र के विकास के लिए वाइब्रेंट गुजरात समिट का प्रारंभ कराया था। आज वाइब्रेंट गुजरात समिट दुनियाभर में विख्यात है। आज अहमदाबाद जिले में व्यापार-धंधा-व्यवसायों व उद्योगों का विकास सभी का ध्यान खींचता है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद जिले के साणंद एवं धोलेरा में सेमीकंडक्टर का विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है। देश के प्रत्येक प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को भारत में लाने के प्रयास किए थे, परंतु सफलता केवल नरेन्द्रभाई को ही मिली है। इसी प्रकार; देश में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ किए गए विभिन्न विकास प्रोजेक्टों तथा अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर आगे बढ़ रहा है और गुजरात का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश में प्राकृतिक खेती का महाभियान चलाया जा रहा है। आज किसान रासायनिक उर्वरक छोड़ भूमि एवं स्वयं का स्वास्थ्य सुधारने की ओर मुड़े हैं। राज्य सरकार किसानों को दिन में भी आवश्यक बिजली मुहैया कराने के लिए भी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत व गुजरात वैश्विक स्तर पर ध्यान खींच रहे हैं, तब देश को स्वच्छता में भी आगे रखने के उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान प्रारंभ कराया है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों से स्वच्छता के आग्रही बनने तथा अपने स्वभाव एवं संस्कार में स्वच्छता लाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग के विरुद्ध देश में ग्रीन कवर बढ़ाने के उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री ने यह अभियान प्रारंभ कराया है। गुजरात ने भी इस अभियान में लीड लेकर एक ही वर्ष की अवधि में ग्रीन कवर में दो प्रतिशत की वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार द्वारा पानी बचाने के उद्देश्य के साथ 'कैच द रेन' अभियान भी प्रारंभ किया गया है। इस अभियान अंतर्गत वर्षा की बूंद-बूंद बचाने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने में गुजरात नेतृत्व करेगा। भूपेन्द्र पटेल ने आशा व्यक्त की कि हम सभी के संयुक्त प्रयास से विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देंगे।

इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन मंत्री राघवजी पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी और उसी दिन से उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' मंत्र को ध्यान में रख कर गुजरात में अनवरत विकास का प्रारंभ किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके अथक प्रयासों से आज गुजरात को देश में रोल मॉडल के रूप में प्रस्थापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प किया है, तो गुजरात को देश में आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए हम सभी को राज्य तथा देश के विकास में भागीदारी दर्ज करानी चाहिए।

सांसद चंदूभाई शिहोरा ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गुजरात की शासन धुरा संभाली, तब से गुजरात का विकास हो रहा है। मोदी ने जो दिशा बताई है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में अनेक क्षेत्रों में विकास साधा है। राघवजी पटेल ने कहा, ''आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विरमगाम तथा यहाँ के लोगों को 640 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट दी है, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।''

लोरेंस बिश्नोई एक आतंकवादी है और उसका एन्टाउंटर किया जाना चाहिए : राज शेखावत

वडोदरा (ईएमएस) करणी सेना के राष्ट्रीय प्रमुख राज शेखावत ने गैंगस्टर लोरेंस बिश्नोई को लेकर बड़ा बयान दिया हैं राज शेखावत ने लोरेंस बिश्नोई को आतंकवादी बताते हुए उसका एन्काउंटर करने की मांग की वडोदरा में आयोजित पत्रकार परिषद में राज शेखावत ने कहा कि जो डर पैदा हुआ है, उसका जिम्मेदार लोरेंस बिश्नोई हो या उसकी गैंग के आदमी, ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जा सकता एक गैंग का मुखिया जेल में बैठकर विदेशों से देश के व्यापारियों को फिरौती के परेशान करता हैं राज शेखावत ने जनता से सवाल किया कि देश के बड़े राजनीतिक और सामाजिक नेताओं की हत्या करता, ऐसे गैंगस्टर का एन्काउंटर कर देना चाहिए या नहीं? उन्होंने कहा कि जब मैं सेना में था तब कश्मीर में 8 साल सेवा की हैं उस वक्त हम आतंकियों का एन्काउंटर कर देते थें जिसकी वजह कश्मीर आज सुरक्षित हुआ हैं अब केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसे तत्त्वों को उग्रवादी की श्रेणी में शामिल किया जाएं उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी हैं इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दीं उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी हैं इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दीं

एक सप्ताह के भीतर गुजरात में आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में बीते एक सप्ताह के दौरान 12 लोगों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई बीते दिन अमरेली में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई जिसमें तीन बच्चे भी शामिल हैं इसके अलावा बिजली की चपेट में आने से 3 लोग घायल भी हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रह हैं वैसे तो नवरात्रि से गुलाबी ठंड की शुरुआत हो जाती है, लेकिन बार बार बदलते मौसम के चलते ठंड तो दूर लोग अब भी गर्मी और उमस से परेशान हैं गुजरात के कई जिलों में रह रहकर बारिश का दौर जारी हैं बीते दिन अहमदाबाद में तेज हवा और गरज के साथ जबर्दस्त बारिश हुई करीब एक घंटे की बारिश ने पूरे शहर को पानी पानी कर दिया अहमदाबाद के अलावा राज्य के अन्य कई जिलों में भी बारिश हुई मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक राज्य में बरसाती माहौल बरकरार रहेगा फसलों की कटाई के दौरान बारिश होने से किसानों को भारी नुकसान की आशंका हैं बारिश भी हल्की फुल्की नहीं बल्कि धुआंधार होती है और वह भी गरज के सार्थ पिछले एक सप्ताह के दौरान आकाशी बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो चुकी हैं बीते दिन अमरेली जिले की लाठी तहसील में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई थी जबकि तीन लोगों घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं राजकोट के उपलेटा में बिजली गिरने से 17 वर्षीय देवेन्द्रसिंह चूडास्मा नामक युवक की मौत हो गई बोटाद में बिजली गिरने की घटना में महिला की मौत हो गई इससे पहले जामनगर में बिजली गिरने से 2 और दक्षिण गुजरात के भरुच में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो चुकी हैं इस प्रकार आकाशीय बिजली एक सप्ताह के भीतर 12 लोगों की जिंदगी निगल चुकी हैं

सूरतः वराछा के कई इलाकों में प्लास्टिक कचरे का सार्वजनिक निपटान, कई जगहों पर कचरे के ढेर

सूरत नगर पालिका साफ-सफाई के लिए काफी काम कर रही है, लेकिन शहर के कुछ इलाकों में सफाई के बाद भी लोग कूड़े का ढेर लगा देते हैं। सूरत के प्यूमा-वराछा के कई इलाकों में प्लास्टिक कचरे का सार्वजनिक तौर पर निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा कई इलाकों में लोग सूरत को नंबर वन बनाने के लिए सार्वजनिक रूप से कूड़ा फेंककर और गंदगी फैलाकर विलेन बन रहे हैं. कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होने से सूरत के कई इलाकों में फिर से गंदगी देखने को मिल रही है। सूरत नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण में फिर से नंबर वन बनने की कवायद कर रही है, लेकिन ऐसे लोगों की वजह से सूरत स्वच्छता सर्वेक्षण में पिछड़ सकता है।

सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में सूरत आगे चल रहा है लेकिन चंद सूरतवासी ही सूरत शहर को इस प्रतिस्पर्धा में पीछे रखने का काम कर रहे हैं. सूरत नगर निगम ने अचानक शहर को कंटेनर मुक्त शहर बनाने का निर्णय लिया और कंटेनर बंद कर दिए। कंटेनर बंद होने के बाद सूरत शहर में अभी भी ऐसे स्थान हैं जहां कैंटर में कचरा डालने के आदी लोग कंटेनर के अभाव के बावजूद सार्वजनिक सड़कों पर कचरा फेंककर गंदगी फैला रहे हैं।

सूरत मुन. क्षेत्र में कुछ स्थानों पर प्रदूषण उपद्रव बिंदु हैं, प्रदूषण को दूर करने के लिए नगर पालिका ने बोर्ड लगा दिए हैं कि यदि यहां प्रदूषण किया गया तो नगर पालिका 500 रुपये का जुर्माना वसूल करेगी। इन बोर्डों को लगाने के बाद नगर पालिका गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती और न ही कोई जुर्माना वसूलती है। जिसके कारण लोग बेखौफ होकर सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा जमा कर रहे हैं। नगर पालिकाओं ने उपद्रव वाले इलाकों में बोर्ड लगा दिए हैं और उनके नीचे कूड़ा फेंक रहे हैं.

वर्तमान में, सूरत नगर पालिका के वराछा क्षेत्र में इळ्ळ्ँ क्षेत्र में कई व्यावसायिक इकाइयाँ सार्वजनिक रूप से प्लास्टिक कचरा डंप कर रही हैं। नगर पालिका द्वारा जगह-जगह सीसी कैमरे लगाए जाने के बावजूद भी सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे लोगों की कूड़ा फैलाने की हिम्मत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। वहीं देश में स्वच्छता के मामले में नंबर वन बने सूरत शहर में अब लोग सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंककर नंबर वन सूरत के लिए खलनायक बन रहे हैं. इसलिए मांग है कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.

शिनोर के साधली गांव में बिजली गिरने से 10 घरों के बिजली उपकरण जल गए

शिनोर में बिजली गिरने सेः शिनोर तालुक के साधली गांव में शनिवार (19 अक्टूबर) शाम को बिजली गिरी। आकाशीय बिजली गिरने से बिजली कंपनी के दो ट्रांसफार्मर, 7 जंपर और 3 जगहों पर तार टूट गये. जबकि बालंद पलिया के पास करीब 10 घरों में बिजली के उपकरण जल गए।

बरसात के मौसम में लाइटें बंद होने से लोगों को परेशानी हुई। साधली गांव में बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने रात को लाइटें चालू कर दी, हालांकि बरसात के मौसम में आकाशीय बिजली गिरने से बिजली कंपनी के उपकरण भी खराब हो गए।

लोडर मशीन की चपेट में आए श्रमिक की मौत, असारवा मिल में रिवर्स लेते हुई घटना

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के असारवा मिल के कंपाउंड में एक श्रमिक की लोडर की चपेट में आने से मौत हो गई यह घटना उस वक्त हुई जब लोडर का ड्राइवर उसे रिवर्स ले रहा था हादसे के बाद लोडर का ड्राइवर मौके से फरार हो गए स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद शहर के असारवा स्थित मिल आज एक दुःखद घटना में 20 वर्षीय युवक की जान चली गई लोडर मशीन का ड्राइवर उसे रिवर्स में ले रहा था उस वक्त 20 वर्षीय संजय कटारा उसकी चपेट में आ गया लोडर के विकराल पहियों से कुचल कर संजय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई दुर्घटना के बाद लोडर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया हादसे के बाद मौके पर अन्य श्रमिकों की भीड़ जमा हो गई खबर मिलते ही पुलिस काफिला भी मौके पर पहुंच और आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 अक्टूबर को गुजरात दौरे पर आएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दिवाली से पहले गुजरात दौरे पर आ रहे हैं 22 अक्टूबर की सुबह अमित शाह गुजरात आएंगे और आणंद के मेहमान बनेंगे इसके अलावा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 31 अक्टूबर को साळंगपुर हनुमानजी मंदिर में होने वाले मारुति यज्ञ में भाग लेंगे जानकारी के मुताबिक अमित शाह 22 अक्टूबर को वह आणंद के मेहमान होंगे और एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह के साथ-साथ अमूल के संस्थापक त्रिभुवनदास पटेल की जयंती में भी शामिल होंगे। आपको बता दें कि 22 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का जन्मदिन भी है। अपने जन्मदिन पर गृह मंत्री एनडीडीबी के अतिथि होंगे एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी, मंत्री जगदीश विश्वकर्मा समेत अन्य मंत्री, नेता और नेता भी मौजूद रहेंगे इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 31 अक्टूबर को साळंगपुर हनुमानजी मंदिर आएंगे अमित शाह 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे वह साळंगपुर हनुमानजी मंदिर पहुंचेंगे और हनुमान दादा के दर्शन करने के बाद मंदिर द्वारा तैयार नये यात्री भवन का उद्घाटन करेंगे इस कार्यक्रम की जानकारी कोठारी विवेकसागर स्वामी ने दीं बता दें कि साळंगपुर हनुमानजी मंदिर परिसर में नूतन यात्री भवन में करीब 1100 कमरे तैयार किये गये हैं

प्रत्येक जीव के लिए हम संवेदना रखते हुए कार्य करेंगे, तो परमात्मा का आशीर्वाद भी मिलता रहेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि हमारी संस्कृति ही जीवदया की है। भगवान महावीर ने 'अहिंसा परमो धर्म' का संदेश दिया है। अहिंसा यानी गाय माता ही नहीं, अपितु प्रत्येक जीव के लिए भावना होना ही जीवदया है। प्रत्येक जीव के लिए हम संवेदना रख कर कार्य करेंगे, तो परमात्मा का आशीर्वाद भी मिलता रहेगा। भूपेन्द्र पटेल रविवार को अहमदाबाद जिले के विरमगाम में समस्त महाजन समाज द्वारा विरमगाम खोडा ढोर पांजरापोळ (पिंजरापोल) संस्था में आयोजित सार्वजनिक अभिवादन समारोह में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने समस्त महाजन समाज को अभिनंदन देते हुए कहा कि महाजन समाज कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से जीवदया प्रवृत्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, ''आप सभी को राज्य सरकार का सहयोग मिलता ही रहेगा, कारण कि आप सबकी भावना बहुत अच्छी है। किसी भी कठिन समय में राज्य सरकार सदा-सर्वदा आपके साथ है।'' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पशुओं के स्वास्थ्य की चिंता कर पशु स्वास्थ्य मेलों की शुरुआत कराई थी। परिणामस्वरूप आज राज्य में हर दस गाँव के बीच एक पशु चिकित्सालय की व्यवस्था है। यह सरकार प्रत्येक जीवमात्र की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि लम्पी वायरस के समय भी सरकार द्वारा पशुओं के लिए दवाई सहित उपचार की तमाम व्यवस्थाएँ की गई थीं। उन्होंने जोड़ा कि भूमिगत जल स्तर ऊँचा लाने के लिए राज्य में 'कैच द रेन' अभियान अंतर्गत प्रत्येक जिले में 75 तालाब बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज जब जमीन और हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है और हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी भी गाय आधारित प्राकृतिक खेती करने की हिमायत कर रहे हैं, तब में हमें प्राकृतिक खेती अपना कर हमारे स्वास्थ्य की भी चिंता करने की आवश्यकता है। भूपेंद्र पटेल ने स्वच्छता पर बल देते हुए कहा कि आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समग्र देश में स्वच्छता अभियान का प्रारंभ कराया है, तब हम स्वच्छता को हमारा स्वभाव तथा संस्कार बना कर हमारे घर, आँगन व क्षेत्र को स्वच्छ-सुंदर रखें। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति कितना बदलाव ला सकता है; इसका श्रेष्ठ उदाहरण नरेन्द्र मोदी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व व्यक्तित्व से देश में बदलाव आया है।

समारोह में उपस्थित कृषि एवं पशुपालन मंत्री राघवजी पटेल ने कहा कि आज नई टेक्नोलॉजी से बीजदान के जरिये 90 प्रतिशत गायों को अच्छी प्रजाति की बछड़ियाँ ही जन्म होती हैं। उन्होंने पशुपालकों से इसका अधिकतम् प्रचार-प्रसार करने तथा इसका लाभ लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पशुओं के उपचार के लिए राज्य सरकार द्वारा पशु मेले सहित अनेक कदम उठाए गए हैं। पशु धन के माध्यम से राज्य का आर्थिक विकास करने की दिशा में राज्य सरकार कार्यरत है। पशु धन के स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए राज्य में 565 एनमिल एम्बुलेंस कार्यरत हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सूरत समेत 124 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास

- आधुनिक सुविधाओं और कनेक्टिविटी के साथ मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब की ओर बढ़ते कदम

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा 124 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ और बेहतर इंफ्रास्ट्राक्चकर उपलब्ध कराना है। इस पुनर्विकास परियोजना में मुंबई सेंट्रल मंडल के 30 स्टेशन, वडोदरा के 18, रतलाम के 19, अहमदाबाद के 20, भावनगर के 20 और राजकोट मंडल के 17 स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रकक्च र के साथ अपग्रेड किया जाएगा, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा का अनुभव बेहतर होगा और रेलवे परिचालन अधिक कुशल होगा। सूरत रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे इन प्रमुख स्टेशनों में से एक है। सूरत स्टेशन को मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब (श्श्ऊप्) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो रेलवे, उएंऊण सिटी बस टर्मिनल स्टेशन, मेट्रो आदि को एकीकृत करेगा, ताकि निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके। सूरत स्टेशन को वास्तुशिल्पीय परिवेश के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर का समग्र स्वरूप और अनुभव अंतरराष्ट्रीय मानकों के व्यवसाय केंद्र जैसा हो। उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट के माध्यम से एकीकृत थीम इसकी भव्यता में वृद्धि करेगी। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक और व्यापार एवं वाणिज्य का प्रमुख केंद्र सूरत रेलवे स्टेशन यात्री आवागमन और आर्थिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र में तब्दील हो जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सूरत स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग ?1,477 करोड़ है, जिसमें गुजरात सरकार का योगदान लगभग ?481 करोड़ है, जबकि रेलवे का योगदान ?996 करोड़ से अधिक है। पुनर्विकास कार्य सूरत इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एघ्ऊण्ध्) द्वारा किया जा रहा है, जो भारतीय रेल और गुजरात सरकार के सहयोग से गठित एक स्पेशल परपज़ वेहिकल (एइ्र) है। इस परियोजना में स्टेशन भवन का विस्तार, प्लेटफॉर्म उन्नयन, यात्री सुविधाओं में सुधार और स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण शामिल है। पुनर्विकसित सूरत स्टेशन पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें 10,900 वर्ग मीटर में फैला विशाल सभागार, लाउंज, खुदरा दुकानें और स्काईवॉक शामिल हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्लेटफॉर्म के ऊपर अतिरिक्त सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पर 41 लिफ्ट और 70 एस्केलेटर होंगे और दिव्यांगजन यात्रियों के लिए यह पूरी तरह से सुलभ होगा। स्टेशन को प्लैटिनम रेटेड ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा, जल तथा अन्य संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित होगा। विनीत ने आगे बताया कि सूरत स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। स्टेशन भवन क्षेत्र के पूर्व की ओर, आरपीएफ बैरक, अस्पताल और रनिंग रूम का निर्माण पूरा हो चुका है। बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष रूप से त्यो,हारी सीजन के दौरान भवन के पश्चिम की ओर एक नया यात्री होल्डिंग क्षेत्र भी बनाया गया है। इलेक्ट्रिकल इंटरलॉकिंग (ंई) भवन को भी सफलतापूर्वक पूर्ण कर दिया गया है और फीडर लाइन को स्थानांतरित कर दिया गया है। जीएसआरटीसी भवन के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें 50ज्ञ से अधिक काम पूरा हो गया है। रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर का काम प्रगति पर है, जिसमें राफ्ट फाउंडेशन का 100ज्ञ पूरा हो गया है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन के कॉनकोर्स और पश्चिमी हिस्से का कार्य भी प्रगति पर है। फेज़-घ्ध में 5.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड नेटवर्क पर कार्य प्रगति पर है, जिसमें 2 रोड ओवर ब्रिज (ंई) होंगे। यह एलिवेटेड रोड नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत आने वाली सभी प्रमुख इमारतों को जोड़ेगा, जिसकी लागत लगभग 497 करोड़ रुपये है और इसके अगले 2.5 वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। पुनर्विकास के बाद सूरत रेलवे स्टेशन एक आधुनिक, यात्री-केंद्रित सुविधा के रूप में उभरेगा, जो शहर की तेज़ी से बढ़ती आबादी की ज़रूरतों को पूरा करेगा। यह परिवर्तन सूरत को एक प्रमुख यात्री और वाणिज्यिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह परियोजना नए भारत का नया स्टेशन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गुजरात की भव्य संस्कृति एवं विरासत को उजागर करने वाली फिल्मों का निर्माण होना चाहिए : मुख्यमंत्री

- फिल्में विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय में सेतुरूपी बन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' साकार करती हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सप्तरंग फिल्म सोसाइटी द्वारा रविवार को अहमदाबाद में आयोजित शॉर्टफेस्ट अवॉर्ड वितरण समारोह में गुजराती फिल्म निर्माताओं तथा कलाकारों का आह्वान किया कि वे गुजरात की भव्य संस्कृति एवं विरासत को विश्व के समक्ष उजागर करने वाली फिल्मों का निर्माण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात कथा, कला व संस्कृति भूमि है तथा फिल्में लोक संस्कृति को जीवंत रखने का कार्य करती हैं। ऐसे में इस प्रकार के आयोजन विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय में सेतुरूपी भूमिका निभाते हैं। भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद में डॉ. बाबा साहब आंबेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित इस समारोह में उपस्थित रह कर शॉर्ट फिल्म की विभिन्न श्रेणियों में विजेता प्रतिभाशाली कलाकारों को पुरस्कृत कर उन्हें अभिनंदन दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल से प्रारंभ किए गए प्रयासों के फलस्वरूप आज गुजरात का फिल्म उद्योग निरंतर विकास कर रहा है। भूपेन्द्र पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात विकसित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर होने के साथ समग्र देश में विकास का रोल मॉडल बना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात की शासन धुरा संभालने जाने के बाद गुजरात ने निरंतर विकास के नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं, जिसके 23 वर्ष हम सभी मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 'विकसित यानी गुजरात' और 'गुजरात यानी विकसित'; ये दोनों शब्द एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने विशिष्ट दृष्टिकोण से कच्छ में भूकंप के बाद पुनर्वास तथा नर्मदा नीर को कच्छ के सूखे रण क्षेत्र तक पहुँचाने एवं विभिन्न विकास कार्य किए हैं, जिनके जरिये कच्छ की कायापलट हुई है और आज कच्छ विश्व पर्यटन का केन्द्र बन गया है। इसी प्रकार; वाइब्रेंट समिट जैसे आयोजनों से गुजरात बेस्ट चॉइस फॉर इन्वेस्टमेंट बना है तथा अब ग्रीन एनर्जी एवं सेमीकंडक्टर हब बनने की ओर अग्रसर है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'विकास भी, विरासत भी' मंत्र दिया है। ऐसे में लोक संस्कृति को जीवंत रखने का कार्य फिल्में करती हैं। गुजरात कथा, कला व संस्कृति की भूमि है। उन्होंने कहा कि गुजराती फिल्मों की सहायक बनने के लिए राज्य सरकार ने श्रेष्ठ फिल्म प्रोत्साहक नीति का निर्माण किया है और राज्य सरकार गुजराती फिल्म उद्योग की सहायक बनने के लिए भी सदैव तैयार है। मुख्यमंत्री ने संस्कृति का निरूपण करने वाली तथा लोकभोग्य एवं पारिवारिक फिल्मों के निर्माण पर बल देते हुए कहा कि आज जब पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव एवं अनुकरण वाले कंटेंट से युक्त फिल्मों के प्रभाव तथा प्रवृत्तियाँ बढ़ रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि अच्छा और सच्चा कंटेंट दर्शाने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली अधिक से अधिक फिल्में बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्में समाज का दर्पण हैं। ऐसे में अच्छी फिल्मों के प्रदर्शन का अच्छा प्रभाव भी समाज पर निश्चित रूप से पड़ेगा। इस दृष्टि से उन्होंने शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल को राइट जॉब एट राइट टाइम बताया। मुख्यमंत्री ने गुजराती फिल्म उद्योग के सभी उपस्थित अग्रणियों का आह्वान किया कि वे वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने तथा हमारी भव्य संस्कृति एवं विरासत को विश्व के समक्ष उजागर करने वाली फिल्मों का निर्माण करते रहें।

उल्लेखनीय है कि गुजरात पर्यटन विभाग, विश्व संवाद केन्द्र व भारतीय चित्र साधना के संयुक्त उपक्रम से शॉर्ट फिल्म का निर्माण करने वाले प्रतिभाशाली सृजकों को मंच एवं प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ इस दो दिवसीय सप्तरंग शॉर्टफेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विषयों पर निर्मित कुल 277 लघु फिल्मों की प्रविष्टि पंजीकृत हुई थी, जिनमें से 37 फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई तथा दो मास्टर क्लास का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में सप्तरंग फिल्म सोसाइटी के अध्यक्ष वंदन शाह, विख्यात कलाकार तथा फिल्म निर्माता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, बाबा साहब अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति अमीबेन उपाध्याय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचार प्रमुख विजय ठाकर सहित जाने-माने फिल्म निर्माता, कलाकार तथा बड़ी संख्या में फिल्म प्रशंसक उपस्थित रहे।

मेघराजा केहर में कोई बदलाव नहीं, गुजरात के 51 तालुके आज डूबे, राजकोट में साढ़े चार इंच और जूनागढ़ में साढ़े तीन इंच

गुजरात में भारी बारिशः राज्य के सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात इलाकों में भारी से हल्की बारिश हो रही है, जबकि सौराष्ट्र के राजकोट, अमरेली, जामनगर, बोटाद, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका इलाकों में भारी से हल्की बारिश हुई है. जिसमें राजकोट के लोधिका तालुक में 4.53 इंच बारिश हुई है. जबकि जूनागढ़ के मालिया हटिना में 3.50 इंच और मेंडारा में 3.19 इंच बारिश हुई है.

राज्य के 51 तालुका में बारिश हुई

आज (20 अक्टूबर) सौराष्ट्र समेत राज्य के कुल 51 तालुकाओं में भारी से बहुत भारी बारिश हुई है. जिसमें राज्य के 17 तालुकाओं में एक इ